रेखा गुप्ता
मुख्यमंत्री

सत्यमेव जयते

नमस्कार,

यह संदेश मैं आपसे एक मुख्यमंत्री ही नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में साझा कर रही हूँ - जो हमारी दिल्ली को स्वच्छ, हरित और ऊर्जा-कुशल भविष्य की ओर ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है।

बीते वर्षों में दिल्ली वासियों ने सौर उर्जा, ऊर्जा कुशल उपकरण और प्रदूषण नियंत्रण उपायों को अपनाकर सराहनीय जागरूकता दिखाई है। ये प्रयास न केवल व्यक्तिगत स्तर पर लाभकारी है बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी अनमोल है ।

1. सोलर प्लांट् लगाएं, और बिजली बिल को शून्य करें

भारत सरकार की **प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना** और दिल्ली सरकार की पूंजीगत सब्सिडी एवं **5 वर्षों के लिए Generation-Based Incentive (GBI)** के साथ रूफटॉप सोलर लगाना अब पहले से कहीं अधिक किफायती हो गया है । बैंक भी 6.50-7 % की ब्याज दर पर दस वर्षों तक की आसान शर्तो पर ऋण उपलब्ध करा रहे हैं । जिससे रूफटॉप सोलर लगाना और भी व्यावहारिक हो गया है ।

उदाहरणतः, यदि आप 3 किलोवाट क्षमता का सोलर प्लांट लगाते हैं तो उसकी अनुमानित लागत ₹2,00,000 होगी, जिसमें सरकार द्वारा लगभग ₹1,08,000 की सब्सिडी दी जाएगी तथा उपभोक्ता द्वारा ₹92,000 की राशि वहन की जाएगी । अगर किसी उपभोक्ता की मासिक बिजली खपत 500 यूनिट है, तो वह 3 किलोवाट का सोलर प्लांट स्थापित करके बिलकुल शून्य बिजली बिल पा सकता है। इससे मासिक बचत लगभग ₹2904-3282* होगी एवं 5 वर्षों तक लगभग ₹900 मासिक GBI भी मिलेगा ।

***वार्षिक बचत** (₹ में) पीपीएसी भिन्नता के कारण डिस्कॉम के अनुसार अलग-अलग होता है।

2. छोटे कदम,बड़ी बचत

- एसी को 24°C पर सेट करें — हर 1°C बढ़ाने पर लगभग 6% बिजली की बचत होती है।
- पाँच-स्टार रेटेड AC और BLDC (Brushless Direct Current) पंखों का उपयोग करें।

उपकरण	अनुमानित वार्षिक बचत (₹ में)*	अनुमानित बचत /वर्ष (यूनिट)
स्प्लिट AC	₹24696-34423	3,000 यूनिट
विंडो AC	₹23049-32058	2,800 यूनिट
BLDC पंखा	₹911-1831	160 यूनिट

* **वार्षिक बचत** (₹ **में**) डिस्कॉम और टैरिफ श्रेणी के अनुसार अलग-अलग होता है

हमारे माननीय प्रधानमंत्री के विज़न और आपकी नई सरकार की प्रतिबद्धता के अनुरूप, मैं सभी दिल्लीवासियों से अपील करती हूँ कि रूफ टॉप सोलर एवं ऊर्जा-कुशल उपकरण अपनाएँ और अपने घरों में स्मार्ट और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील निर्णय लें।

ये छोटे-छोटे कदम न सिर्फ आपके बिजली बिल घटाएँगे, बल्कि दिल्ली को स्वच्छ और सुंदर भी बनाएँगे।

आइए, मिलकर दिल्ली को रोशन करे - जिम्मेदारी और गर्व के साथ ।

Rekha Gupta

रेखा गुप्ता
मुख्यमंत्री, दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, दिल्ली सचिवालय, आई.पी. एस्टेट, नई दिल्ली-110002
फ़ोन - 011-23392020, 011-23392030 || ईमेल - cmdelhi@nic.in

BSES
BSES Yamuna Power Limited
a joint venture with GONCTD

संवाद

www.facebook.com/bsesdelhi https://twitter.com/BSESDELHI

Happy Independence Day

अगस्त - 2025

सीईए ने बीएसईएस के साथ मिलकर विद्युत सुरक्षा दिवस 2025 का आयोजन किया

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए), केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय ने बीएसईएस डिस्कॉम्स के साथ मिलकर नई दिल्ली में विद्युत सुराक्षा दिवस 2025 का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्घाटन विद्युत तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री श्री श्रीपद येस्सो नाइक ने किया।

विशिष्ट अतिथियों में श्री पंकज अग्रवाल, सचिव, केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय, श्री घनश्याम प्रसाद, अध्यक्ष, केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए), श्रीमती रिषिका शरण, सदस्य सचिव, एनआरपीसी, श्री अमल सिन्हा, डायरेक्टर व ग्रुप सीईओ, बीएसईएस, श्री अभिषेक रंजन, सीईओ बीआरपीएल तथा श्री अमरजीत सिंह, सीईओ, बीवाईपीएल शामिल थे।

थीम ""स्मार्ट ऊर्जा, सुरक्षित राष्ट्र"ने भारत के विकसित हो रहे ऊर्जा परिदृश्य में सुरक्षा को शामिल करने पर जोर दिया। एक मुख्य आकर्षक था विद्युत सुरक्षा हैंडबुक और मैस्कट "सुरक्षा शक्ति" का शुभारंभ, जिसे उपभोक्ताओं, प्रोस्यूमर्स और फ्रंटलाइन कर्मियों में जागरूकता बढ़ाने के लिए सीईए और बीएसईएस द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया गया था।

50 से अधिक संगठनों– जिनमें उद्योग जगत के अग्रणी संस्थान, आरडब्ल्यूए, स्वच्छ ऊर्जा कंपनियां और नागरिक शामिल थे – के 300 से अधिक प्रतिनिधियों की उपस्थिति के साथ, इस कार्यक्रम ने शून्य हानि, सुदृढ़ और इन्क्लूसिव इलेक्ट्रिकल इकोसिस्टम की साझा दृष्टि को और मजबूत किया।

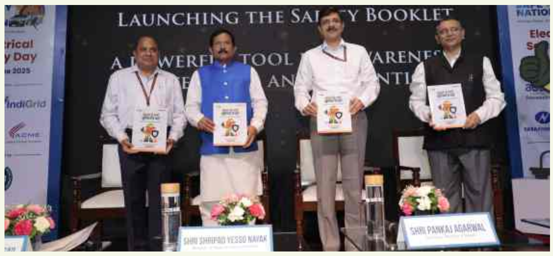

बारिश के दिनों में निम्नलिखित टिप्स अपनाएं, सुरक्षित रहें

सभी को आनंदित करने के लिए मॉनसून एक बार फिर हाजिर है। लेकिन आनंद के साथ मॉनसून अपने साथ अलग तरह की दिक्कतें और परेशानियां भी लाता है। पानी जमा होने की वजह से करंट फैलने और बिजली से संबंधित दुर्घटनाओं का खतरा मॉनसून के सीजन में बढ़ जाता है। लेकिन, सामान्य सी सावधानियां अपनाकर आप अपने और अपने परिजनों के लिए मॉनसून को दुर्घटना रहित बना सकते हैं।

- बिजली के इंस्टलेशंस जैसे पोल, सब–स्टेशन, ट्रांसफॉर्मर, स्ट्रीटलाइट, आदि से दूर रहें।
- बच्चों को सावधान करें कि वे उपरोक्त इंस्टलेशंस के पास न खेलें, अगर उहें बैरिकेट किया गया हों तब भी।
- बिजली के उपकरणों को गीले हाथ से न छुएं।
- एक टेस्टर घर पर रखें। अगर अपके घर का कोई स्विच या दीवार गीली हो, तो उसे न छुएं। पहले टेस्टर का इस्तेमाल करके देख लें कि कहीं कोई लीकेज तो नहीं। अगर जरूरत हो, तो अपने इलेक्ट्रिशियन को कॉल करें।
- बिजली के झटकों व दुर्घटनाओं से बचने के लिए घर में अर्थ लीकेज सर्किट ब्रेकर यानी ईएलसीबी लगवाएं।

बिजली उपकरणों के पास पतंग न उड़ाएं, सुरक्षित रहें

भारत में पतंगबाजी, स्वतंत्रता दिवस समारोह का अभिन्न हिस्सा है। लेकिन, सामान्य सी दिखने वाली यह गतिविधि कभी–कभी खतरनाक और जानलेवा भी साबित हो सकती है। बड़े पैमाने पर हो रहे मेटल कोटेड मांझे के प्रयोग की वजह से पतंग उड़ाने वाले व्यक्ति को करंट लगने का खतरा रहता है, क्योंकि मैटलिक मांझा बिजली का वाहक है। यही नहीं, इसकी वजह से इलाके की बिजली आपूर्ति भी प्रभावित होने का डर रहता है।

- मेटल कोटेड मांझे से ट्रिंपिंग हो सकती है और करंट भी लग सकता है
- अगर 33/66 केवी की सिर्फ एक ओवरहेड लाइन ट्रिप होती है, तो उससे 10 हजार लोगों की बिजली आपूर्ति प्रभावित हो सकती है और 11 केवी की एक लाइन ट्रिप होने से 2500 लोगों की बिजली आपूर्ति पर असर पड़ सकता है।

फीडबैक
अपने फीडबैक व सुझाव भेजें: कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस, बीएसईएस यमुना पावर लिमिटेड, पंजीकृत कार्यालयः शक्ति किरण बिल्डिंग, कड़कड़डूमा, दिल्ली–110032
सीआईएनः CIN:U40109DL2001PLC111525, फोनः 11-4124-7111/4124-9273, ईमेलः bypl.feedback@relianceada.com, वेबसाइटः www.bsesdelhi.com

मोबाइल ऐप, टोल फ्री और हेल्पलाइन नंबरों जैसे सुविधाजनक माध्यमों से बिजली गुल की शिकायत दर्ज कराएं

App Store | Available on the Android Market

टॉल फ्री 24x7
19122

एसएमएस
5616108

बिजली चोरी संबंधी
8588892156

बिजली गुल की शिकायत
8745999808

स्ट्रीटलाइट
41999808

बीवाईपीएल, शक्ति किरण बिल्डिंग, कड़कड़डूमा, दिल्ली – 110032 के लिए फ्रेंड्स कलर इमेजेस प्राइवेट लिमिटेड, 148, सेक्टर 4, आईएमटी मानेसर, गुड़गांव, हरियाणा – 122050 द्वारा मुद्रित